



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 247]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 7, 2001/भाद्र 16, 1923

No. 247]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 7, 2001/BHADRA 16, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2001

विषय : चीन से ट्रिमेथोप्रिम (टी एम पी) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक निष्कर्ष

संख्या 35/1/2001-डीजीएडी.—सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ

(पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण)

नियम 1995 को ध्यान में रखते हुए;

(क) प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमों के अंतर्गत

मै0 अल्फा ड्रुस इंडिया लि0, पटियाला और मै0 इन्वेन्टा कैमिकल्स लि0, हैदराबाद से

लिखित याचिका प्राप्त हुई थी, जिसमें चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ट्रिमेथोप्रिम

(टी एम पी) के पाटन का आरोप लगाया गया था ।

- (ii) आवेदन की प्रारंभिक जांच से कतिपय कमियों का पता चला था जिन्हें बाद में याचिकाकर्ता द्वारा सुधार दिया गया था। तत्पश्चात् याचिका को समुचित रूप से प्रलेखित माना गया था।
- (iii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित टी एम पी के आयातों के आरोपित पाटन के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने उक्त नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्यवाही शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के विषय में संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया।
- (iv) प्राधिकारी ने चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 29 के सीमाशुल्क उपशीर्ष संख्या 293359.02 के अंतर्गत वर्गीकृत टी एम पी के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू करने के बारे में एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे दिनांक 23 जुलाई, 2001 को भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया था।
- (v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग एसोसिएशनों को भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।

(vi) प्राधिकारी ने टी एम पी के ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहा ।

(vii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से टी एम पी के आयातों के ब्यौरे देने का अनुरोध किया गया था ।

(viii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका के अगोपनीय अंश की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध करवाई ।

(ix) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित सूचना प्राप्त करने के लिए चीन के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी;

मै0 सिनि ऑस्ट ज्वाइंट वेन्चर

शांक्सी गुआंग्याओ फाइन कैमिकल कं0 लि0

ताइयुवान हाइ एण्ड न्यू टेक्नोलाजी इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट जोन शांक्सी,

पी आर चीन 030006

चीन जिआंग्सू इंटरनेशनल इकनॉमिक टेक्नीकल कारपोरेशन, कारपोरेशन ओवरसीज ट्रेड कम्पनी,

9-एफ गोल्डन ईगल, हांजहोंग न्यू विल्डिंग नं० 1, हांजहोंगमेन स्ट्रीट, 210029

नानजिंग, चीन

निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया ।

चीन के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरू करने के संबंध में सूचना दी गयी थी और यह अनुरोध किया गया था कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का निर्धारित समय के भीतर उत्तर देने के लिए कहें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र अगोपनीय अंश और प्रश्नावली की प्रतियां भी निर्यातकों के नाम तथा पते सहित उनके पास भेजी गयी थी ।

(x) टी एम पी के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को एक प्रश्नावली भेजी गयी जिसमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गई थी;

- अरिहंत इंपेक्स, मुम्बई
- व्यूरोह वेलकम (इंडिया) लि०, मुम्बई
- कैडिला फार्मास्युटिकल्स लि०, ढोलका
- कैडिला हैल्थकेयर लि०, अहमदाबाद
- जी सी कैमी फैबमी लि०, मुम्बई
- ग्लैक्सो इंडिया लि०, मुम्बई

- न्युक्रोन फैब्रमेस्युटिकल्स लि०, पुणे
- सुरेका फार्मा, इंदौर
- टोरक्यू फार्मास्युटिकल्स (प्रा) जिला, पटियाला
- यू एन आई एजेन्सीज (कैमिकल्स) प्रा० लि०, फरीदाबाद
- स्टैडर्ड फार्मास्युटिकल्स, जिला हुगली
- विनार आर्गेनिक्स प्रा० लि०, सिकन्दराबाद
- क्लैरिस लाइफसाइसेज लि०, अहमदाबाद
- यू एन आई एजेन्सीज (कैमिकल्स प्रा० लि०) नई दिल्ली
- जानानी ड्रग्स, पांडिचेरी
- बंगाल कैमिकल एण्ड फार्मास्युटिकल्स लि०, कलकत्ता
- व्यूरोह वेलकम (इंडिया) लि०, मुम्बई
- फार्माजा (इंडिया) खमरात (गुजरात)
- क्यू फार्मा प्रा० लि०, गुजरात
- कैडिला फार्मास्युटिकल्स एल टी ई, अहमदाबाद
- आस्ट्रिड इंटरनेशनल, मुम्बई
- कैडिला हेल्थकेयर लि०, अहमदाबाद
- सिरियस फार्मास्युटिकल्स प्रा० लि., मुम्बई
- डूइड फार्मास्युटिकल्स लि०, पश्चिम बंगाल
- कैडिला फार्मास्युटिकल्स लि० जिला मेरठ

- बाइलॉजिकल ई लिमिटे, पाटनचेरू
- बाइलॉजिकल ई लिमिटे, हैदराबाद
- बेहल इंडस्ट्रियल इस्टेट, कलकत्ता
- मेडोफार्मा, चेन्नई,
- अल्केम लेबोरेटरीज लि०, जिला रायगढ़
- राजस्थान ड्रग्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स लि०, जयपुर
- फार्मा इंपेक्स, कलकत्ता
- फ्लेमिंगो फार्मास्युटिकल्स, न्यू मुम्बई, महाराष्ट्र
- ट्रीटमेंट होम प्रोडक्ट्स, कलकत्ता
- निकोलस पिरामल इंडिया लि०, मध्य प्रदेश
- शिल्पा एंटीवाइटिक्स प्रा० लि०, रायचूर
- औरो लेबोरेटरीज लि०, मुम्बई
- भारत फार्मास्युटिकल्स, मुम्बई
- अल्बेड फार्मा एण्ड फूड्स प्रा० लि०, चेन्नई
- रेनबैक्सी लेबोरेटरीज लि०, देवास (म०प्र०)
- यू एस विटामिन (इंडिया) लि०, मुम्बई
- स्ट्राइड्स आर्कोलेब लि०, बंगलौर
- अरबिंदो फार्मा लि०, हैदराबाद
- बाफना फार्मास्युटिकल्स लि०, चेन्नई

- देव्स मेडिकल स्टोर्स (मैन्यु) लि०, अहमदाबाद
- स्मिथलाइन बीचम फार्मास्युटिकल्स (ई) लि०, मैसूर
- माइक्रो लैब्स लि०, होसुर (तमिलनाडु)
- मेडरिच स्टेरिलैब लि०, बंगलौर
- नाटको फार्मा लि०, महबूबनगर
- ग्लैक्सो इंडिया लि०, नासिक
- मेडी फार्मा ड्रग्स हाऊस, मुम्बई

(xi) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को हितबद्ध पक्षों के निरीक्षण के लिए रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा ।

(xii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की ईष्टतम लागत और उसके निर्माण एवं बिक्री लागत निकालने के लिए लागत जांच की गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा ।

(xiii) *** यह चिह्न इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्ष द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा ऐसा ही माना गया है ।

(xiv) जांच 1 अप्रैल, 1999 से 31 मार्च, 2000 (12 महीने) की अवधि के लिए की गयी थी ।

(ख) याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में और परवर्ती आवेदनों में निम्नलिखित मुख्य मुद्दे उठाए हैं:-

(i) ट्रिमेथोप्रिम (टी एम पी) एक कार्बनिक रसायन है । यह एक बल्क एन्टीबैक्टीरियल भेषजीय संघटक है जिसका सीधा उपयोग नुस्खों में किया जाता है । टी एम पी का नुस्खा सल्फामेथोक्साजोल के संयोजन में उपयोग किया जाता है । सल्फामेथोक्साजोल के संयोजन के साथ टी एम पी का उपयोग भार के रूप में 1 : 5 के अनुपात में किया जाता है । ट्रिमेथोप्रिम का कोई उपयुक्त प्रतिस्थापन नहीं है ।

(ii) टी एम पी का रासायनिक फार्मूला निम्न प्रकार है:

5-(3,4,5-ट्रिमेथोक्सी बेन्जाइल) पाइरिमाडिनिन - 2,4-डायमाइन (सी । एच । एन 4 ओ 3)

टी एम पी का उत्पादन 4 स्तरों में होता है, जो संयोजन, संघनन, चक्रण और परिशोधन है ।

- (iii) टी एम पी का अनन्य सीमाशुल्क उपशीर्ष के अंतर्गत वर्गीकरण किया जाता है तथापि, टी एम पी के आयात की निकासी अनेक अन्य सीमाशुल्क उपशीर्षों के तहत भी की जा रही है।
- (iv) चीन के उत्पादक कुछ समय से भारतीय बाजार में टी एम पी का निर्यात कर रहे हैं। निर्यातकों ने हाल ही में अपनी कीमतों में कमी लानी शुरू की है, जिससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि चीन के विनिर्माता अपने वस्तुओं का सीधे निर्यात नहीं कर सकते हैं। वहां अनेक बड़े, मझोले और छोटे व्यापार घराने हैं जिनके पास वैध निर्यात लाइसेंस हैं। इस प्रकार टी एम पी का निर्यात मुख्यतया चीन के व्यापारियों द्वारा किया जाता है
- (v) आयातों की मात्रा से अधिक महत्वपूर्ण बात आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव की है। चीन के निर्यातकों ने अपनी कीमतों में काफी कमी की है जैसा कि निम्नलिखित सारणी एवं ग्राफ से देखा जा सकता है:-

वर्ष	निर्यात कीमत
अगस्त 1996	972
जनवरी 1997	913
मई 1997	901

जून 1997	896
जुलाई 1997	874
दिसम्बर 1997	834
अगस्त 1999	619
अक्तूबर 1999	500
नवम्बर 1999	450
दिसम्बर 1999	450
1999-2000(12 महीने - जांच अवधि)	481

स्रोत: नवम्बर - दिसम्बर, 99, कैमिकल वीकली और महर्षि विश्वेश्वरैया इंडस्ट्रियल रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेंटर (एम वी आई आर डी सी पीरिओडिकल वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, मुम्बई) जांच अवधि के लिए डी जी सी आइ एस।

- (vi) भारत में टी एम पी के चार उत्पादक हैं जिनमें से दो ने संयुक्त रूप से यह याचिका दायर की है। तीसरे उत्पादक मैडो इपका लेबोरेटरीज लि०, ने इस याचिका का समर्थन किया है। चौथा उत्पादक मैडो जोरा फार्मा टी एम पी का एक प्रमुख आयातक है और जिसे घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।

(vii) चीन और भारत विश्व में टी एम पी के दो सबसे बड़े उत्पादक देश हैं। भारत और चीन दोनों देश इस आवश्यक वल्क औषधि का कई देशों में निर्यात कर रहे हैं। यह तथ्य है कि चीन टी एम पी का पाटन कर रहा है मात्र इस तथ्य से स्पष्ट हो जाता है कि भारत से अन्य देशों को टी एम पी की निर्यात कीमत चीन द्वारा भारत को निर्यात की जा रही टी एम पी की कीमत से काफी अधिक है।

(viii) भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित टी एम पी और चीन से निर्यातित टी एम पी में ज्ञात ऐसा कोई खास अंतर नहीं है जिसका इसकी कीमत पर प्रभाव पड़ सकता हो। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन से आयातित टी एम पी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन और वस्तुओं का टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं।

(ix) चीन भारत को टी एम पी का एक प्रमुख निर्यातक देश है। भारत में टी एम पी के आयातों में चीन से हुए आयातों का हिस्सा वर्ष 1996-97 से सर्वाधिक रहा है और यह लगभग स्थिर रहा है। चीन के निर्यातक उक्त सामग्री का निर्यात अत्यधिक पाटित कीमतों पर कर रहे हैं जो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है।

(x) याचिकाकर्त्ताओं के क्षमता उपयोग में कमी बिक्रियों में आयी गिरावट के कारण आ रही है।

(ग) आयातकों, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. आयातकों के विचार

ज्ञात आयातकों ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सूचना देने के बारे में प्राधिकारी के अनुरोध का उत्तर नहीं दिया।

4. निर्यातकों के विचार

चीन के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सूचना देने के बारे में प्राधिकारी के अनुरोध का उत्तर नहीं दिया:-

- मै0 सिनि ऑस्ट ज्वाइंट वेन्चर

शांक्सी गुआंग्याओ फाइन कैमिकल कं0 लि0

ताइयुवान हाइ एण्ड न्यू टेक्नोलाजी इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट जोन शांक्सी,

पी। आर चीन 030006

- चीन जिआंगसू इंटरनेशनल इकनॉमिक टेक्नीकल कारपोरेशन, कारपोरेशन ओवरसीज

ट्रेड कम्पनी,

9-एफ गोल्डन ईगल, हांजहोंग न्यू विल्लिंग नं0 1, हांजहोंगमेन स्ट्रीट, 210029

नानजिंग, चीन

(घ) उठाए गए मुद्दों की जांच

5. याचिकाकर्ता और आयातकों द्वारा किए गए अनुरोधों, जहां तक ये मामले से संबंध रखते हैं और नियमों के अंतर्गत संगत हैं, की जांच की गयी है, और उन पर उपयुक्त जगहों पर कारवाई की गयी है।

(ड.) जांचाधीन उत्पाद

6. वर्तमान जांच में शामिल जांचाधीन उत्पाद ट्रिमेथोप्रिम (टी एम पी) है जो एक कार्बनिक रसायन है। यह एक बल्क एन्टीवैक्टिरियल भेषजीय संघटक है जिसका सीधे उपयोग नुस्खों में किया जाता है। टी एम पी के नुस्खे का उपयोग सल्फामेथोक्साजोल के संयोजन में किया जाता है। टी एम पी का उपयोग सल्फामेथोक्साजोल के संयोजन के साथ भार के रूप में 1 : 5 के अनुपात में किया जाता है। ट्रिमेथोप्रिम का कोई उपयुक्त प्रतिस्थापन नहीं है। टी एम पी का रासायनिक फार्मूला निम्न प्रकार है:-

5-(3,4,5-ट्रिमेथोक्सी बेन्जाइल) पाइरिमाइडिन -2,4-डायमाइन (सी। एच। एन 4 ओ 3)

टी एम पी के उत्पादन चार चरणों में होता है जिनमें संयोजन, संघनन, चक्रण और परिशोधन शामिल है।

टी एम पी सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 29 के सीमाशुल्क उपशीर्ष संख्या 293359.02 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

(घ) समान वस्तुएं

7. ट्रिमेथोप्रिम (टी एम पी) एक कार्बनिक रसायन है। यह एक बल्क एन्टिवैक्टिरियल भेषजीय संघटक है जिसका उपयोग सीधे नुस्खों में होता है। इसका उपयोग सामान्य इलाज के अलावा विशेष तौर पर मूत्र संबंधी संक्रमण के इलाज में किया जाता है।

टी एम पी नुस्खे का उपयोग सल्फामेथोक्साजोल के संयोजन में किया जाता है। तथापि, ट्रिमेथोप्रिम के उत्पादन की प्रक्रिया, उपकरण या प्रौद्योगिकी के संबंध में कोई खास अंतर नहीं है। यह प्रमाणित करने के उद्देश्य से कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित टी एम पी चीन से निर्यातित टी एम पी के समान वस्तु है, प्राधिकारी द्वारा तकनीकी विनिर्देशन, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं उपयोग और टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है।

प्राधिकारी यह भी पाते हैं कि इस बात का खण्डन करने वाला कोई तर्क नहीं दिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित टी एम पी की विशेषताएं आयातित वस्तु की विशेषताओं से काफी अधिक मिलती-जुलती हैं और यह वाणिज्यिक तथा तकनीकी दोनों तरह से संबद्ध देश से आयातित टी एम पी के द्वारा प्रतिस्थापनीय है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित टी एम पी को नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर चीन से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है।

(छ) घरेलू उपयोग

8. यह याचिका मै0 अल्फा ड्रग्स इंडिया लि0, पटियाला और मै0 इन्वेंटा कैमिकल्स लि0, हैदराबाद द्वारा दायर की गयी है जिसमें चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ट्रिमेथोप्रिम (टी एम पी) के पाटन का आरोप लगाया गया है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने प्राधिकारी को सूचित किया है कि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1996-97, 97-98 और 98-99 के दौरान विनिर्माताओं की सूची और उनका उत्पादन (मी.टन में) निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	कंपनी का नाम	स्थापित क्षमता	96-97	97-98	98-99
1	व्यूरोह वेलकम	उपलब्ध नहीं	78.65	92.35	3.60
2	जर्मन रेमिडीज	उपलब्ध नहीं	3.28	0.56	उपलब्ध नहीं
3.	आई पी सी ए	उपलब्ध नहीं	19.02	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
4.	एस ओ एल फार्मा	उपलब्ध नहीं	11.93	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
5.	इन्वेंटा कैमिकल्स	उपलब्ध नहीं	115.94	138.12	280.17
6.	अल्फा ड्रग्स लि0	उपलब्ध नहीं	140.91	134.61	201.26

(एन. ए. - उपलब्ध नहीं)

जाच अवधि के लिए उत्पादन के ब्यौरे संलग्न नहीं किए गए हैं, तथापि उत्पादन की उपर्युक्त पद्धति से यह निष्कर्ष निकलता है कि याचिकाकर्ताओं का वर्ष 1998-99 में टी एम पी के उत्पादन का एक मुख्य हिस्सा बनता है।

याचिकाकर्ताओं ने बताया है कि विभिन्न उत्पादकों द्वारा किया गया टी एम पी का उत्पादन वर्ष 1999-2000 में निम्नानुसार रहा है:-

उत्पादक	1999-2000
याचिकाकर्ता	
अल्फा ड्रस लि०	158.64 मी.टन
इन्वैन्टा कैमिकल्स	138.47 मी.टन
उप योग	297.11
हिस्सा	73.41%
समर्थक	
आई पी सी ए लैब्स	32.60
याचिकाकर्ता एवं समर्थक- योग	329.71
हिस्सा	81.46%
अन्य	
जोरा फार्मा	75
कुल भारतीय उत्पादन	404.71

याचिका में प्रस्तुत किए गए उत्पादन आंकड़ों के अनुसार याचिकाकर्ता का जांच अवधि में कुल उत्पादन में अकेले का हिस्सा 73.41% बनता है और उसके समर्थक मै. आई पी सी ए लैब्स के साथ मिलकर किए गए उत्पादन का हिस्सा 81.46% बनता है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि इसलिए याचिकाकर्ता “घरेलू उद्योग” माना जाता है और वह नियमों के भीतर वर्तमान याचिका दायर करने की स्थिति में है ।

ज. पाटन

9. प्राधिकारी ने धारा 9 क(1) के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी । तथापि, निर्यातकों ने मांगी गई सूचना प्रस्तुत नहीं की । इसलिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में निर्यातकों द्वारा कोई दावे नहीं किए गए हैं । इसलिए प्राधिकारी को क्रमशः

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में परिकलित कीमत तथा उचित उपलब्ध सूचना पर भरोसा करने को बाध्य होना पड़ा ।

झ. परिकलित लागत और प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की जांच

(i) सामान्य मूल्य

10. प्राधिकारी यह पाते हैं कि चीन के निर्यातकों ने प्रश्नावली का जबाब निर्धारित प्रपत्र में नहीं दिया है और सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन से संबंधित सूचना प्रस्तुत नहीं की है । इसलिए प्राधिकारी निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं और उचित उपलब्ध सूचना के आधार पर ही कार्यवाही करते हैं ।

याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया है कि चीन में सामान्य मूल्य ट्रिमैथोप्रिम के उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर माना जाए । ऐसी परिस्थितियों में प्राधिकारी को परिकलित लागत का निर्धारण करने को बाध्य होना पड़ा ।

इसलिए चीन में सामान्य मूल्य जांच अवधि के दौरान एक यू एस डालर=43.03 रुपये की औसत विनिमय दर पर *** यू एस डालर/किग्रा० अथवा *** रुपये/किग्रा० माना गया है ।

(ii) निर्यात कीमत

11. प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सी आई एफ कीमत *** रुपये/किग्रा० निर्धारित की गई है । कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण समुद्री भाड़े के लिए xxx यू एस डालर/किग्रा (याचिकाकर्ता के अनुभव के आधार पर), समुद्री बीमा प्रभार के लिए xxx %, चीन में एजेंट के लिए xxx% की दर पर कमीशन, पैकिंग लागत के लिए xxx% और भारतीय अनुभव के अनुसार पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभार के लिए एफ ओ बी मूल्य का xxx% खर्च को ध्यान में रखकर किया गया है । तथापि, मांग-पत्र भेजने वाले भारतीय एजेंटों के लिए xxx% की दर पर कमीशन और चीन में उत्पादकों द्वारा अपने समुद्री पत्तनों तक खर्च की जाने वाली xxx% की दर पर परिवहन लागत जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा दावा किया गया है, की अनुमति प्राधिकारी ने क्रमशः दस्तावेजी साक्ष्य और याचिकाकर्ता के निर्यातों पर आधारित साक्ष्य के अभाव में प्रदान नहीं की है ।

उपर्युक्त के लिए समायोजन करने के पश्चात कारखानागत एफ ओ बी निर्यात कीमत 43.03 रुपये=1 यू एस डालर की औसत विनिमय दर पर XXX रुपये/किग्रा अथवा XXX यू एस डालर/किग्रा आंकी गई है।

(iii) पाटन मार्जिन

12. परिकलित सामान्य मूल्य XXX यू एस डालर/किग्रा और कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत XXX यू एस डालर/किग्रा मानते हुए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन XXX यू एस डालर/किग्रा बनता है (जो कि निर्यात कीमत का 89.08% है)।

अ. क्षति

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबंध देश से पाटन का मार्जिन तथा आयातों की मात्रा उपरोक्त नियम 11 में निर्धारित सीमा से अधिक है।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध-II (iv) के अनुसार ऐसे कारकों पर विचार किया है जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन इत्यादि।

(क) आयातों की मात्रा

मात्रा (किग्रा.)

	1997-98(डीजीसीआई एंड एस के अनुसार)	1998-99(गौण स्रोतों के अनुसार)	1999-2000जांच अवधि(डीजीसीआई एंड एस के अनुसार)
कुल आयात	1576	1575	38,925
चीन	1576	1575	38,775
अन्य देश	---	---	150(स्विटजरलैंड)

यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान कुल आयातों की मात्रा में महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि हुई है।

चीन से आयातों की मात्रा में भी काफी वृद्धि हुई है। वर्ष 97-98 और 98-99 में हुए आयात केवल चीन से ही हुए थे। कुल आयातों में चीन का हिस्सा 1997-98, 1998-99 और 1999-2000 (जांच अवधि) में क्रमशः 100%, 100% और 99.6% था।

(ख) उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

याचिकाकर्ताओं की उत्पादन क्षमता, वास्तविक उत्पादन तथा क्षमता उपयोग निम्नानुसार था:-

याचिकाकर्ता	वर्ष	स्थापित क्षमता(मी.टन)	उत्पादन(मी.टन)	क्षमता उपयोग %
अल्फा ड्रग्स	1997-98	240	134.62	56.09
इन्वैन्टा		300	300	100
कुल		540	434.62	80.4
अल्फा	1998-99	240	200.75	83.64
इन्वैन्टा		300	282	94
कुल		540	482.75	89.4
अल्फा	1999-2000	240	214.14	89.22
इन्वैन्टा		300	225	75
कुल		540	439.14	81.32

जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में कमी आई है। एक याचिकाकर्ता ने अपनी स्थापित क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि की है और चीन से कीमतों का स्तर अगर यही रहा तो इस कंपनी को अपनी अतिरिक्त क्षमताओं का उपयोग बन्द रखने को बाध्य होना पड़ेगा।

(ग) बिक्री तथा बाजार हिस्सा

याचिकाकर्ताओं द्वारा की गई बिक्रियों की मात्रा (मी.टन) इस प्रकार रही:-

याचिकाकर्ता	1997-98	1998-99	1999-2000(जांच अवधि)
अल्फा	102.73	160.37	171.35
इन्वैन्टा	162	207	176
कुल	264.73	367.37	347.35

यह पाया गया है कि टी एम पी की मांग वर्ष 97-98, 98-99 और 1999-2000 (जांच अवधि) में क्रमशः 2,66,306 किग्रा, 3,68,945 किग्रा तथा 3,86,275 किग्रा थी। कुल मांग में पाटित आयातों का हिस्सा वर्ष 97-98, 98-99 और 99-2000 (पी ओ आई) में क्रमशः 0.59%, 0.42% और 10.03% था। याचिकाकर्ता का हिस्सा 97-98, 98-99 और 99-2000 में क्रमशः 99.40%, 99.57% तथा 89.92% था।

उत्पादन की लागत से कम पर टी एम पी की बिक्री के परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता को लाभ की भारी हानि हुई है। प्रत्येक याचिकाकर्ता कंपनियों की उत्पादन की लागत (प्रति किग्रा) और बिक्री कीमत (प्रति किग्रा) निम्नानुसार थी:-

याचिकाकर्ता	1996-97	97-98	98-99	99-2000
अल्फा				
सी ओ पी	***	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***	***
इन्वैन्टा				
सी ओ पी	***	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***	***

इसलिए यूनिट बिक्री कीमतों में गिरावट की प्रवृत्ति दिखाई दी है।

(घ) अंतिम स्टॉक

यह देखा गया है कि याचिकाकर्ता का अंतिम स्टॉक वर्ष 96-97 की तुलना में 97-98 में बढ़ गया। यह 97-98 के अंतिम स्टॉक के स्तर से 98-99 और 99-2000 में कम हो गया। जांच अवधि में अल्फा ड्रग्स का अंतिम स्टॉक में 61.26% हिस्सा था जबकि इन्वैन्टा का हिस्सा 38.73% था।

अंतिम स्टॉक (मीटन)	96-97	97-98	98-99	99-2000
अल्फा ड्रग्स	20.59	24.49	20.74	15.91
इन्वैन्टा	1.88	3.57	5.97	10.06
कुल	22.47	28.06	26.71	25.97

(ड.) कीमत कटौती तथा कीमत में गिरावट

याचिकाकर्ता ने कहा है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में लगभग 35% की गिरावट आई है। वर्तमान कीमतें पूरी लागत को वसूल करने के लिए अपर्याप्त हैं और ये भारत सरकार द्वारा औषधि कीमत नियंत्रण आदेश (डी पी सी ओ) के तहत अधिसूचित कीमतों से कॉफी कम हैं। ये कीमतें न केवल डी पी सी ओ से कम हैं बल्कि उत्पादन लागत से भी कम हैं जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को गंभीर वित्तीय हानि हुई है। इसके अलावा, संबद्ध देश से होने वाले आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में काफी कटौती हो रही है क्योंकि आयातित सामग्री की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है, जैसा कि नीचे सारणी में दर्शाया गया है।

रू./किग्रा.

वर्ष	बिक्री वसूली	आयातों की पहुंच कीमत
1997-98	***	1172
1998-99	***	1174
1999-2000 (12 महीने-जांच अवधि)	***	675

(च) लाभप्रदता

घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमतें उत्पादन की लागत से कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिसके फलस्वरूप काफी वित्तीय हानियां हुईं। घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में जो बिक्रियां की हैं उससे हुए प्रति इकाई लाभ/हानि से घरेलू उद्योग की हानि का स्पष्ट पता चलता है जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:-

रू./किग्रा.	97-98	98-99	99-2000
अल्फा ड्रग्स			
उत्पादन की लागत	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***
लाभ/हानि	(***)	(***)	(***)
इन्वेन्टा			

उत्पादन की लागत	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***
लाभ/हानि	***	***	(***)

ट. क्षति के बारे में निष्कर्ष

13. उपर्युक्त को देखते हुए यह पाया गया है कि:-

- (क) संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा संपूर्ण अर्थों में वृद्धि हुई है;
- (ख) याचिकाकर्ताओं के बाजार हिस्से में कमी आई है जबकि आयातों में वृद्धि हुई है;
- (ग) याचिकाकर्ताओं के क्षमता उपयोग में कमी आई है;
- (घ) याचिकाकर्ताओं को अपनी क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा जिसके फलस्वरूप हानि हुई;
- (ङ.) आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें कम हुई;
- (च) घरेलू उद्योग के पास काफी अंतिम स्टॉक बच गया ।

(ठ) कारणात्मक संबंध

14. प्राधिकारी यह निर्णय लेते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति संबद्ध देश से आयातों द्वारा हुई है । चीन भारत के ट्राइमैथोप्रिम का प्रमुख निर्यातक है और जांच की अवधि के दौरान चीन से आयात की मात्राओं में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है । जैसा कि पहले से ही उल्लेख किया गया है जांच की अवधि में तथा जांच की अवधि से पूर्व लगभग समूचा आयात चीन से हुआ है । संबद्ध देश से निर्यात कीमतों में 1997-98 से ही महत्वपूर्ण कमी आती रही है और जांच की अवधि में तो ये सर्वाधिक कम स्तर तक पहुंच गयी । निर्यात कीमत में तेजी से कमी होने के फलस्वरूप पहुंच मूल्य में अत्यधिक कमी आई और उसके बाद याचिकाकर्ताओं की बिक्री वसूली में भी कमी आई । चीन से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के फलस्वरूप याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में कमी आई और घरेलू उत्पाद की कीमतें भी कम हुई जिससे घरेलू उद्योग को क्षति रहित कीमत से कम पर बिक्री

करने के लिए बाध्य होना पड़ा जिसके परिणाम-स्वरूप घरेलू उद्योग उभर नहीं सका । अतः घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई ।

(ड) भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

15. पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्यतया उस पाटन को समाप्त करना है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं और भारतीय बाजार में खुले और स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति को पुनः स्थापित करना है जो देश के आम हित में है ।

16. यह स्वीकार किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं का प्रयोग करके तैयार किए गए उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और फलस्वरूप इन उत्पादों की आपेक्षिक प्रतिस्पर्द्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है । तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी विशेष तौर पर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क को उस राशि तक सीमित रखा जाए जो घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक हो । दूसरी ओर पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन प्रक्रिया द्वारा अर्जित किए जाने वाले अनुचित लाभों पर रोक लगेगी जिससे घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और टी एम पी के उपभोक्ताओं को इसकी उपलब्धता के व्यापक विकल्प सुलभ हो सकेंगे । पाटनरोधी उपाय लगाने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

17. घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क का पता लगाने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर इष्टतम उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के लिए भारत में टी एम पी की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया है ।

ढ. पहुंच मूल्य

18. आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण ऊपर पाटन से संबंधित पैरा में दी गई प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित की गई टी एम पी की निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है जिसमें प्रचलित स्तर पर सीमाशुल्क तथा एक प्रतिशत लैंडिंग प्रभार जोड़ा गया है ।

ण) निष्कर्ष

19. उपर्युक्त पर विचार करने के पश्चात यह देखा गया है कि:

(क) पैरा 6 के अंतर्गत वर्णित और चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ट्राइमैथोप्रिम का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है जिसके परिणाम स्वरूप पाटन हुआ है।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

(ग) यह क्षति संबद्ध देश से आयातों के कारण हुई है।

20. पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने पर विचार किया गया था जिसे यदि लगाया जाए तो उससे घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो जाए। आयातों की पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की गई थी। तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 293359.02 के अंतर्गत आने वाले चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ट्राइमैथोप्रिम पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। पाटनरोधी शुल्क कालम 3 में उल्लिखित राशि होगी।

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	शुल्क की राशि (यूएस डालर/किग्रा)
1	2	3
चीन	सभी उत्पादक/निर्यातक	4.42

21. इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत लगाए जाने वाले शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्कों सहित सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के तहत सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा ^{निर्धारित} निर्धारणीय मूल्य होगा।

त. अगली क्रियाविधि

प्रारंभिक जांच निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित क्रियाविधि का पालन किया जाएगा:

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन निष्कर्षों पर टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और उन पर अंतिम जांच निष्कर्षों में विचार किया जाएगा ।

(ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और अन्य संबद्ध ज्ञात हितबद्ध पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है जो इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार भेज सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी इन निष्कर्षों को प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर अपने विचार भेज सकता है ।

(ग) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों को मौखिक अनुरोध करने के लिए अवसर प्रदान करेंगे ।

(घ) प्राधिकारी अंतिम जांच निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे ।

एल. वी. सत्पन्नी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES****NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th September, 2001

Subject : Anti-Dumping investigations concerning import of Trimethoprim (TMP) from China...Preliminary Findings.

No. 35/1/2001-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury), Rules 1995, thereof:

A. PROCEDURE:

1. The procedure given below has been followed with regard to the investigations:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. Alpha Drugs India Ltd., Patiala, and M/s Inventaa Chemicals Ltd., Hyderabad, alleging dumping of Trimethoprim (TMP) originating in or exported from China.
 - ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was thereafter considered as properly documented.
 - iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate investigations against alleged dumping of imports of TMP originating in or exported from China. The Authority notified the Embassy of the subject country about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules.

- iv) The Authority issued a Public Notice dated 23rd July 2001, published in the Gazette of India Extraordinary initiating anti-dumping investigations concerning imports of TMP classified under customs sub-heading no. 293359.02, of Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from China.
- v) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vi) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known importers (whose details were made available by the petitioner) of TMP and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of TMP.
- viii) The Authority provided copies of the non-confidential Petition to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rule 6(3) supra.
- ix) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in China, in accordance with Rule 6(4);

- M/s Sino Aust Joint Venture
Shanxi Guangyao Fine Chemical Co. Ltd.
Taiyuan High and New Technology Industries Development Zone
Shanxi, PR China 030006

- China Jiangsu International Economic Technical Corporation
Corporation Overseas Trade Co.
9F-Golden Eagle, Hanzhong New Building,
No. 1, Hanzhongmen Street, 210029
Nanjing, China.

The exporters did not respond to the questionnaire.

The Embassy of China was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, non-confidential petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith the name and addresses of the exporters.

- x) A questionnaire was sent to the following known importers of TMP in calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);
- Arihant Impex, Mumbai
 - Burroughs Wellcome (India) Ltd., Mumbai
 - Cadila Pharmaceuticals Limited, Dholka
 - Cadila Healthcare Ltd., Ahmedabad
 - G.C. Chemie Phabmie Ltd., Mumbai
 - Glaxo India Limited, Mumbai
 - Nucron Phabmaceuticals Ltd., Pune
 - Sureka Pharma, Indore
 - Torque Pharmaceuticals (P), Distt Patiala
 - UNI Agencies (Chemicals) Pvt. Ltd., Faridabad
 - Standard Pharmaceuticals, Dist. Hooghly
 - Vinar Organics Pvt. Ltd., Secunderabad
 - Claris Lifesciences Limited, Ahmedabad
 - UNI Agencies (Chemicals Pvt. Ltd), New Delhi
 - Jananee Drugs, Pondicherry
 - Bengal Chemicals & Pharmaceuticals Ltd., Calcutta
 - Burroughs Wellcome (India) Limited, Mumbai
 - Pharmanza (India), Khamrat (Guj)
 - Que Pharma Pvt. Ltd., Gujarat
 - Cadi La Pharmaceuticals LTE, Ahmedabad
 - Aastrid International, Mumbai

- Cadila Healthcare Limited, Ahmedabad
 - Sirius Pharmaceuticals Pvt. Ltd., Mumbai
 - Druid Pharma Limited, West Bengal
 - Cadila Pharmaceuticals Limited, Distt Mehsana
 - Biological E.Limite, Patancheru
 - Biological E.Limite, Hyderabad
 - Behla Industrial Estate, Calcutta
 - Medopharm, Chennai
 - Alkem Laboratories Limited, Dist Raigad
 - Rajasthan Drugs & Pharmaceuticals Ltd., Jaipur
 - Pharma Impex, Calcutta
 - Flamingo Pharmaceuticals, New Mumbai Maharashtra
 - Treatment Home Products, Calcutta
 - Nicholas Piramal India Limited, Madhya Pradesh
 - Shilpa Antibiotics Pvt Ltd, Raichur
 - Auro Laboratories Ltd., Mumbai
 - Bharat Pharmaceuticals, Mumbai
 - Alved Pharma & Foods Pvt. Ltd., Chennai
 - Ranbaxy Laboratories Ltd., Dewas (M.P.)
 - US Vitamin (INDIA) Ltd., Mumbai
 - Strides Arcolab Ltd., Bangalore
 - Aurobindo Pharma Limited, Hyderabad
 - Bafna Pharmaceuticals Limited, Chennai
 - Dev,s Medicals Stores (Mfg.) Ltd., Ahmedabad
 - Smithkline Beecham Pharmaceuticals (I) Ltd., Mysore
 - Micro Labs Ltd., Hosur (TN)
 - Medreich Sterilab Ltd., Bangalore
 - Natco Pharma Ltd., Mahaboobnagar
 - Glaxo India Ltd., Nasik
 - Medi Pharma Drug House, Mumbai
- xi) The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

- xii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) on the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiii) *** In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xiv) Investigations were carried out for the period 1st April 1999 to 31st March 2000 (12 months).

B. PETITIONERS VIEWS

2. The petitioner has raised the following major issues in their petition and in their subsequent submissions:

i) Trimethoprim (TMP) is an organic chemical. It is a bulk anti-bacterial pharmaceutical ingredient directly used in formulations. Formulation of TMP is used in the combination of Sulphamethoxazole. TMP goes along with the combination of Sulphamethoxazole in 1:5 ratio by weight. There is no viable substitute for Trimethoprim.

ii) The chemical formula of TMP is as under:
5-(3,4,5-Trimethoxy Benzyl) Pyrimidine-2,4-Diamine (C₁₁H₁₄N₄O₃).

The production of TMP involves four stages, which are, addition, condensation, cyclisation and purification.

iii) TMP is classified under a dedicated customs sub-heading. However, import of TMP is being cleared under a host of other customs sub-headings also.

- iv) Chinese producers are exporting TMP to the Indian market for quite sometime. The exporters started reducing their prices recently, which has caused material injury to the domestic industry. It is a well known fact that manufacturers in China cannot export their goods directly. There are a number of large, medium and small trading houses who hold valid export licences. TMP is therefore, largely exported by traders in China.
- v) More significant than the volume of imports is the price effect of imports. The exporters from China have reduced the prices significantly, as may be seen from the following table and graph:

Year	Export price
August 1996	972
Jan. 1997	913
May 1997	901
June 1997	896
July 1997	874
December 1997	834
August, 1999	619
Oct. 1999	500
Nov. 1999	450
Dec. 1999	450
1999-2000 (12 months-POI)	481

Source-Nov-Dec'99, Chemical Weekly & Maharishi Visveshvariya Industrial Research & Development Centre (MVIRDC periodical, World Trade Centre, Mumbai). For POI-DGCIS.

- vi) There are four producers of TMP in India, two of whom have jointly filed this petition. The third producer M/s IPCA Laboratories Ltd., has supported this petition. The fourth producer M/s Zora Pharma is a major importer of TMP and should be excluded from the scope of the domestic industry.
- vii) China and India are the two largest producers of TMP in the world. Both India and China are exporting this essential bulk drug to a number of countries. The fact that China is dumping TMP is evident from the sheer fact that the export price of TMP from India

to other countries is significantly higher than the prices at which it is being exported to India by China.

- viii) There is no known significant difference in TMP produced by the Indian industry and exported from China which can have an impact on price. TMP produced by the Indian industry and imported from China is comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable.
- ix) China is a major exporter of TMP to India. The share of imports from China in imports of TMP in India is predominant since 1996-97 and the same has been almost constant. The exporters from China are exporting the material at significantly dumped prices, far below the selling prices of the domestic industry.
- x) The capacity utilization of the petitioners have been dropping on account of drop in sales.

C. VIEWS OF IMPORTERS, EXPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3. Importers views

The known importers did not respond to the Authority's request for information as per the prescribed questionnaire.

4. Exporters Views

The following known exporters in China did not respond to the Authority's request for information as per the prescribed questionnaire.

- M/s Sino Aust Joint Venture
Shanxi Guangyao Fine Chemical Co. Ltd.
Taiyuan High and New Technology Industries Development Zone
Shanxi, PR China 030006

- China Jiangsu International Economic Technical Corporation
Corporation Overseas Trade Co.
9F-Golden Eagle, Hanzhong New Building,
No. 1, Hanzhongmen Street, 210029
Nanjing, China.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

5. The submissions made by the petitioner and importers to the extent they are relevant under the Rules and have a bearing upon the case, have been examined and dealt with at appropriate places hereunder.

E. PRODUCT UNDER INVESTIGATION

6. The product under consideration in the present investigation is Trimethoprim (TMP) which is an organic chemical. It is a bulk anti-bacterial pharmaceutical ingredient directly used in formulations. Formulation of TMP is used in the combination of Sulphamethoxazole. TMP goes along with the combination of Sulphamethoxazole in 1:5 ratio by weight. There is no viable substitute for Trimethoprim. The chemical formula of TMP is as under:

5-(3,4,5-Trimethoxy Benzyl) Pyrimidine-2,4-Diamine (C₁₁H₁₄N₄O₃).

The production of TMP involves four stages, which are, addition, condensation, cyclisation and purification.

TMP is classified under dedicated customs sub-heading no. 293359.02, of Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975.

F. LIKE ARTICLES

7. Trimethoprim (TMP) is an organic chemical. It is a bulk anti-bacterial pharmaceutical ingredient directly used in formulations. It is used particularly for treatment of urinary infections besides general prescription. Formulation of TMP is used in the combination of Sulphamethoxazole. There is however no significant difference in terms of process, equipment or technology for the production of Trimethoprim.

In order to establish that TMP produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from China, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority.

The Authority also finds that there is no argument disputing that TMP produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by TMP imported from the subject country both commercially and technically. TMP produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from China, within the meaning of Rule 2(d).

G.DOMESTIC INDUSTRY

8.The petition has been filed by M/s. Alpha Drugs India Ltd., Patiala, and M/s Inventaa Chemicals Ltd., Hyderabad, alleging dumping of Trimethoprim (TMP) originating in or exported from China. The Ministry of Chemicals and Fertilisers have informed the Authority that the list of manufacturers and their production (in MT) during 1996-97, 97-98 and 98-99 as per available data is as indicated below:-

Sl.No.	Name of the Company	Installed Capacity	96-97	97-98	98-99
1.	Burroughs Wellcome	N.A.	78.65	92.35	3.60
2.	German Remedies	N.A.	3.28	0.56	NA
3.	IPCA	N.A.	19.02	NA	NA
4.	SOL Pharma	N.A.	11.93	NA	NA
5.	Inventa Chemicals	N.A.	115.94	138.12	280.17
6.	Alpha Drugs Ltd.	N.A.	140.91	134.61	201.26

(NA-not available).

Production details for the period of investigation have not been enclosed. However, judging from the pattern of production as given above, the petitioners accounted for a major proportion of the production of TMP in 1998-99.

The petitioners have stated that the production of TMP by various producers in 1999-2000 has been as under:-

Producer	1999-2000
Petitioners	
Alpha Drugs Ltd.	214.14 Mt
Inventaa Chemicals	225 Mt
Sub total	439.14
Share	80.31%
Supporter	
IPCA Labs	32.60 Mt
Petitioner & Supporter – Total	471.74
Share	86.28%
Others	
Zora Pharma	75 Mt
Total Indian Production	546.74

The petitioners alone account for 80.31% of the total production in the POI and 86.28% of the production in combination with their supporter M/s IPCA Labs as per production data submitted in the petition.

The Authorities notes that the petitioners therefore constitute “domestic industry” and have the required standing to file the present petition under the Rules.

H. DUMPING

9. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject country in terms of section 9 A (1). However, the exporters did not respond with the information called for. Therefore there are no claims made by the exporters with regard to Normal Value and Export Price. The Authority has therefore been constrained to rely upon constructed price and best available information with regard to Normal Value and Export Price respectively.

I. EXAMINATION OF NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE BASED ON CONSTRUCTED VALUE AND ON AVAILABLE INFORMATION WITH THE AUTHORITY

(i) NORMAL VALUE

10. The Authority observes that the exporters from China have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers the exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information.

The petitioners have requested that the normal value in China be accepted on the basis of constructed cost of production of Trimethoprim. In the circumstances the Authority has been constrained to determine the constructed cost.

The normal value in China is therefore considered to be USD *** /kg or Rs ***/kg at an average exchange rate during POI of 1USD=Rs 43.03.

(ii) Export Price

11. The cif price as per the information available with the Authority is determined at Rs***/kg. The ex-factory export price has been determined after taking USD***/kg as ocean freight (based on petitioner's experience), ***% as marine insurance charges, commission @***% for the agent in China, ***% as packing costs and ***% of fob value for port handling and port charges as per the Indian experience. However, commission @***% for the Indian indenting agent and transportation costs @ ***% likely to be incurred by the producers in China to their sea ports, as claimed by the petitioners are not allowed by the Authority for want of documentary evidence and lack of evidence based on petitioners exports, respectively.

After adjustments on these accounts the ex- factory fob export price is estimated to be Rs ***/kg or USD ***/kg at an average exchange rate of Rs 43.03=1USD.

(iii) Dumping margin

12. Considering the constructed normal value at USD ***/kg and the ex-works export price at USD ***/kg, the dumping margin determined by the Authority comes to USD ***/kg (which is 89.08% of export price).

J. INJURY

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from the subject country are more than the limits prescribed in Rule 11 Supra.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

(a) Quantum of Imports

	<u>Quantity (kg.)</u>		
	1997-98 (as per DGCIS)	1998-99 (as per secondary source)	1999-2000 –POI (as per DGCIS)
Total imports	1576	1575	38,925
China	1576	1575	38,775
Other countries	---	---	150 (Switzerland)

It is seen that the quantum of total imports have gone up significantly during the period of investigation.

The quantum of imports from China have also gone up significantly. Imports in 97-98 and 98-99 were exclusively from China. The share of China in total imports was 100%, 100% and 99.6% in 1997-98, 1998-99 and 1999-2000 (POI) respectively.

(b) Production and Capacity Utilisation

The production capacity, actual production and capacity utilisation of the petitioners was as follows: -

Petitioners	Year	Installed Capacity (MT)	Production (MT)	Capacity Utilisation %
Alpha Drugs	1997-98	240	134.62	56.09
Inventaa		300	300	100
Total		540	434.62	80.4
Alpha	1998-99	240	200.75	83.64
Inventaa		300	282	94
Total		540	482.75	89.4
Alpha	1999-2000	240	214.14	89.22
Inventaa		300	225	75
Total		540	439.14	81.32

Production and capacity utilisation of domestic industry has declined in the period of investigations. One of the petitioners has added significant capacities and should the trend of prices from China remain the same, the company would be forced to hold its additional capacities.

(c) Sales and Market Share

The quantum of sales (MT) by the petitioners were as follows:-

Petitioner	1997-98	1998-99	1999-2000(POI)
Alpha	102.73	160.37	171.35
Inventaa	162	207	176
Total	264.73	367.37	347.35

It is observed that the demand of TMP was 2,66,306kg, 3,68,945kg and 3,86,275 kg in 97-98, 98-99 and 1999-2000 (POI) respectively. The share of dumped imports in total demand was 0.59%, 0.42% and 10.03% in 97-98, 98-99 and 99-2000 (POI) respectively. The share of the petitioner was 99.40%, 99.57% and 89.92% in 97-98, 98-99 and 99-2000 respectively.

The sale of TMP below cost of production resulted in heavy loss of profit to the petitioner. The cost of production (per kg) and selling prices (per kg) of each of the petitioner companies were as follows:-

Petitioners	1996-97	97-98	98-99	99-2000
Alpha				
COP	***	***	***	***
Selling Price	***	***	***	***
Inventaa				
COP	***	***	***	***
Selling Price	***	***	***	***

Unit selling prices have therefore showed a declining trend.

(d) Closing Stocks

It is observed that the closing stocks of the petitioner went up in 97-98 over 96-97. They declined in 98-99 and 99-2000 from the level of closing stocks in 97-98. Alpha Drugs accounted for 61.26% of closing stocks in the POI, while Inventaa accounted for 38.73%.

Closing Stocks (MT)	96-97	97-98	98-99	99-2000
Alpha Drugs	20.59	24.49	20.74	15.91
Inventaa	1.88	3.57	5.97	10.06
Total	22.47	28.06	26.71	25.97

(e) Price undercutting and price depression

The petitioner has stated that the selling prices of the domestic industry have declined by about 35%. The present prices are insufficient to recover the full costs and are significantly below the notified prices by the Government of India under the Drug Price Control Order (DPCO). The prices are below not only the DPCO but also the cost of production, resulting in severe financial losses to the domestic industry. Further, the imports from the subject country are significantly undercutting the prices of the domestic industry as the landed price of the imported material is below the selling price of the domestic industry as illustrated in the table below:-

Rs/kg	Year	Sales Realisation (wt. ave)	Landed Price of Imports
	1997-98	***	1172
	1998-99	***	1174
	1999-2000 (12 months-POI)	***	675

(f) Profitability:-

The domestic industry has been forced to reduce its selling prices below its cost of production, resulting in substantial financial losses. The injury to the domestic industry is evident from the per unit profit/loss made by the industry from sales in the domestic markets, as shown below:-

Rs/kg	97-98	98-99	99-2000
Alpha Drugs			
COP	***	***	***
Selling Price	***	***	***
P/L	(***)	(***)	(***)
Inventaa			
COP	***	***	***
Selling Price	***	***	***
P/L	***	***	(***)

K. CONCLUSION ON INJURY

13. In view of the foregoing it is observed that:-

- the quantum of imports from the subject country have increased in absolute terms;
- the market share of the petitioners have gone down while that of imports has increased;
- the capacity utilisation of the petitioners have gone down ;
- the petitioners have been forced to sell at prices below their non-injurious price resulting in losses;
- imports are undercutting the prices of the domestic industry;
- the domestic industry is left with substantial closing stocks.

L. CAUSAL LINK

14. The Authority holds that the material injury to the domestic industry has been caused by imports from the subject country. China is the main exporter of Trimethoprim to India and there has been a tremendous increase in import volumes from China in the period of investigation. As already noted, China accounts for almost the entire volume of imports prior to and in the POI. Export prices from the subject country have been declining significantly from 1997-98 onwards reaching an all time low in the POI. The sharp reduction in the export price resulted in steep reduction in the landed price followed by reduction in sales realisation of the petitioners. The increase in the market share of imports from China resulted in the decline in the market share of the petitioner and undercut the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell below its non-injurious price which resultantly, the domestic industry was unable to recover. The material injury to the domestic industry was therefore caused by the dumped imports from the subject country.

M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

15. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

16. It is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of TMP. Imposition of anti-dumping measures would not

restrict imports from the subject country in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers.

17. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling price of TMP in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

N. LANDED VALUE

18. The landed value of imports is determined on the basis of export price of TMP determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one per cent landing charges.

O. CONCLUSIONS

19. It is seen after considering the foregoing that:

(a) Trimethoprim (TMP) described under para 6 originating in or exported from China has been exported to India below normal value, resulting in dumping;

(b) the domestic industry has suffered injury;

(c) injury has been caused by imports from the subject country.

20. It was decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. The landed price of imports was also compared with the non-injurious price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Accordingly, it is proposed that provisional anti-dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on Trimethoprim (TMP) originating in or exported from China falling under customs sub-heading no. 293359.02, of Chapter 29 of the Customs Tariff Act, pending final determination. The anti-dumping duty shall be the amount mentioned in Col.3.

Country 1.	Name of the producer/exporter 2.	Amount of Duty 3. (USD/kg)
CHINA	All producers/exporters	4.42

21. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

P. FURTHER PROCEDURE

22. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days of the despatch of this notification. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- c. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions.
- d. The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

